

मणिपुरी नृत्य

मणिपुरी (मणिपुर)

- > **संबद्धता** : अनुष्ठान और पारंपरिक त्योहार।
- > **पौराणिक उत्पत्ति** :
 - शिव और पार्वती का सुन्दर नृत्य।
- > **नृत्य का उद्भव** : नाट्य शास्त्र, विभिन्न स्थानीय लोक नृत्य रूपों और संस्कृति का प्रभाव।
- > 15वीं शताब्दी में वैष्णववाद के आगमन के साथ इसे प्रसिद्धि मिली।
- > **प्रस्तुति** : महिलाओं द्वारा।



मणिपुरी नृत्य की विशेषताएँ

- > भक्ति पर विशेष बल।
- > इसमें तांडव और लास्य दोनों शामिल होते हैं।
- > नागबंध मुद्रा: शरीर '8' के आकार में वक्रों के माध्यम से जुड़ा हुआ है।
- > रास लीला मणिपुरी नृत्य गायन का एक आवर्ती विषय है।
- > **मुख्य चरित्र** :
 - राधा, कृष्ण और गोपियाँ।

वाद्ययंत्र

- > पुंग
- > ढोल
- > बांसुरी

पोशाक

- > बूटेदार स्कर्ट।
- > महीन सफेद मलमल की छोटी स्कर्ट।
- > एक विशेष केशविन्यास पर एक श्वेत घूँघट जो चेहरे पर बड़े मनोहर तरीके से गिरता है।
- > **कृष्णा की वेशभूषा** : पीली धोती, गहरे रंग की मखमली जैकेट और मोर पंख का मुकुट।

प्रसिद्ध प्रतिपादक

- > नयना
- > सुवर्णा
- > रंजना
- > दर्शना
- > गुरु विपिन सिंह